तापमान

अधिकतम 28.0 डिग्री

न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि

रत्न भूमि

रायपुर, शनिवार 18 जुलाई 2026

11 बरसते पानी में उत्साह के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की...

12 करोड़ों की कीमती खेती की जमीन को निगल रहा...

राजिम | फिंगेश्वर | छुरा | मुड़ागांव | रसेला | गरियाबंद | कोपरा | मैनपुर | देवभोग | पांडुका | छुईहा बेलर

प्रवेश प्रारंभ
B.P.Ed., B.P.E.S.,
BCA, Bsc. (CS/IT),
B.Com., PGDCA, DCA
PG Diploma in Yoga Edu.
AICTE एवं NCTE से मान्यता प्राप्त
(पं. र.वि.वि. रायपुर से सम्बद्ध)
नेताजी सुभाष कॉलेज बेलभाठा, अभनपुर
मो.न. - 8103982557

खबर संक्षेप

क्रेन और सरई के गोले बरामद अभनपुर का आरामिल सील

अभनपुर। अभनपुर स्थित मामनचंद हुकुमचंद शॉ आरा मील में वन विभाग की उड़नदस्ता टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में संदिग्ध अवैध सरई के गोले बरामद किए हैं। कार्रवाई के दौरान आरा मील को सील कर दिया गया तथा एक क्रेन और लकड़ी से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर पंचनामा तैयार किया गया। इस कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।
प्राप्त जानकारी के अनुसार आरा मील परिसर में बड़ी मात्रा में सरई के गोले छिपाकर रखे जाने की शिकायत मिलने पर उड़नदस्ता टीम मौके पर पहुंची। आरोप है कि टीम के पहुंचने ▶▶| शेष पेज 10 पर

रिटायर्ड शिक्षक और उसके परिवार के साथ मारपीट

महासमुंद। ग्राम राजपुर में रिटायर्ड शिक्षक और उसके परिवार के लोगों के साथ मारपीट व जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपियों के विरूद्ध बसना थाने में अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि राजपुर निवासी सेवानिवृत शिक्षक मूलचंद गौतम 16 जुलाई को खेत में लगे पेड़ की अपने नाती प्रकाश गौतम से कटाई-छंटाई करवा रहे थे। इसी दौरान रोहित पटेल अपने पुत्र देवानंद पटेल व देवेंद्र पटेल एवं अमन पटेल ने वहां पर आकर गाली गलौज कर मारपीट करना लगा। जब उसके परिवार के लोग आए तो चारों आरोपियों ने उसके नाती प्रकाश गौतम, हेतराम गौतम और करन गौतम के साथ मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान देवानंद पटेल और देवेंद्र पटेल ने टंगिया से प्रकाश गौतम, हेतराम गौतम के सिर और चेहरे में वार किया। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज किया है।

मोबाइल देने से मना करने पर मारपीट

महासमुंद। मोबाइल देखने से मना करने पर ग्राम बेमचा के एक युवक के साथ मारपीट करने वाले आरोपी के विरूद्ध सिटी कोतवाली में अपराध दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि वार्ड 19 रामनगर पारा बेमचा निवासी भुनेश्वर ध्रुव 16.07.26 के रात्रि करीब 08.30 बजे अपने दोस्त डागेश्वर मानिकपुरी के साथ बालाजी मंदिर पुलिया के पास बैठकर मोबाइल देख रहा था, उसी समय द्रोण यादव ने आकर उससे मोबाइल मांग, जिस पर प्रार्थी ने मोबाइल देने से मना किया। जिससे गुस्से में आकर आरोपी द्रोण यादव ने गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी।

बारिश : धान की फसल को मिली संजीवनी, लबालब भरे खेत,प्रशासन ने जारी किया अलर्ट

36 घंटे की झमाझम बारिश से पैरी नदी की धार बढ़ी, कोपरा-डूमरपाली एनीकट पर बढ़ा खतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में 16 जुलाई की सुबह से शुरू हुई बारिश का सिलसिला 17 जुलाई को भी लगातार जारी रहा। काले घने बादलों के बीच बदले मौसम ने पूरे इलाके को तरबतर कर दिया। करीब 36 घंटे तक रुक-रुककर हुई झमाझम बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं खेत-खलिहानों में पानी भर जाने से किसानों के चेहरों पर मुस्कान लौट आई है। लगातार हुई बारिश से धान की खेती को नई संजीवनी मिली है। खेत पानी से लबालब भर गए हैं, जिससे किसानों को अब बेहतर फसल की उम्मीद जगी है। दूसरी ओर पैरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। कई स्थानों पर नदी-नालों का पानी पुल-पुलियों के ऊपर से बह रहा है, जिससे आवागमन प्रभावित हो रहा है। बारिश के कारण कोपरा-डूमरपाली एनीकट भी पानी में डूब गया है। इसके बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर एनीकट पार कर रहे हैं। हर वर्ष बरसात के मौसम में यहां ऐसी ही स्थिति बनती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं होने से ग्रामीणों को जीवन जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है।

इधर लगातार बारिश से भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत मिली है। तापमान में गिरावट आने से मौसम सुहावना हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में भी जिले में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। ऐसे में प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और जलमग्न पुल-पुलियों को पार नहीं करने तथा सतर्क रहने की अपील की है।

नवापारा बस स्टैंड बना तालाब

नवापारा-राजिम। गुरुवार रात हुई अच्छी बारिश ने जहां गर्मी और उमस से लोगों को राहत दी, वहीं नवापारा शहर के बस स्टैंड की वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या एक बार फिर सामने आ गई। बारिश के बाद पूरा बस स्टैंड परिसर घुटने भर पानी से भर गया, जिससे यात्रियों, बस चालकों, ऑटो चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही बस स्टैंड में आने-जाने वाले लोगों को पानी के बीच होकर गुजरना पड़ा। बसों और ऑटो चालकों को भी जलभराव के कारण वाहन निकालने में दिक्कत हुई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर बार बारिश में यही स्थिति बन जाती है। इससे यात्रियों के साथ-साथ दुकानदारों और वाहन संचालकों को भी नुकसान उठाना पड़ता है। नगरवासियों का कहना है कि बस स्टैंड शहर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल है, जहां प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। बारिश के मौसम में यही हालात बनते हैं लिहाजा जल निकासी की समुचित व्यवस्था हो।

अच्छी बारिश से किसानों को बड़ी राहत सूखे के संकट के बीच खेतों में लौटी रौनक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

पिछले कई दिनों से बारिश नहीं होने के कारण पूरे अंचल में चिंता का माहौल बना हुआ था। लगातार बढ़ती उमस, तेज गर्मी और सूखे जैसे हालात ने आम जनजीवन के साथ-साथ खेती-किसानी को भी प्रभावित कर दिया था। किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे थे कि आखिर कब इंद्रदेव मेहरबान होंगे। खेतों में बोनी लगभग थम चुकी थी और जिन किसानों ने शुरूआती बारिश के भरोसे बुवाई कर दी थी, उनकी फसल भी नमी के अभाव में प्रभावित होने लगी थी। इसी बीच भगवान श्री जगन्नाथ रथयात्रा के शुभ अवसर पर गुरुवार रात इंद्रदेव ने ऐसी कृपा बरसाई कि पूरे अंचल में राहत की लहर दौड़ गई। रातभर हुई अच्छी बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी आ गई, वातावरण पूरी तरह ठंडा हो गया और कई दिनों से लोगों को परेशान कर रही उमस भी काफी हद तक खत्म हो गई। सुबह जब लोग घरों से बाहर निकले तो मौसम पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। ठंडी हवाओं और भीगी मिट्टी की सौंधी खुशबू ने हर किसी के चेहरे पर मुस्कान ला दी। बारिश का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिला है। लंबे समय से रुका खेती-किसानी का काम अब दोबारा गति पकड़ने लगा है। किसान खेतों की जुताई, बुवाई और अन्य कृषि कार्यों में जुट गए हैं। जिन खेतों में पानी की कमी के कारण काम रुका हुआ था, वहां अब ट्रैक्टर और कृषि यंत्रों की आवाज सुनाई देने लगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से ही किसान अपने परिवार के साथ खेतों की ओर निकल पड़े। बीते दिनों बारिश नहीं होने से जलस्रोतों का जलस्तर लगातार घट रहा था। तालाब, नाले और छोटी जलधाराएं सूखने की कगार पर पहुंच गई थीं। कई स्थानों पर बोरवेल का जलस्तर भी नीचे चला गया था, जिससे सिंचाई और पेयजल दोनों की समस्या गहराने लगी थी। अब इस बारिश से जलस्रोतों में पानी की आमद शुरू होगी और ▶▶| शेष पेज 10 पर

प्रतिबंध को ठेंगा: राजिम-पितईबंद घाट से रात के अंधेरे में रेत की चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजिम

राजिम थाना परिसर की यह तस्वीर ये बताने के लिए काफी है कि रेत पर लगातार माईनिंग और पुलिस कार्रवाई बदस्तुर जारी है। हाइवा और ट्रैक्टरों में भरे हुए रेत साफ दिखाई दे रहे है बावजूद कुछ ऐसे माफिया है जो राजिम-पितईबंद घाट की रेत को चुरा कर नवापारा शहर ले जाकर लगातार बेच रहे है। बताया जाता है कि रात 1 बजे के बाद इनका खेल सुबह 4 बजे तक शुरू रहता है। ट्रैक्टरों के जरिये ले जाकर दिन में हाइवा में बेच रहे है। जबकि प्रदेश में 15 जून से 15 अक्टूबर तक नदियों से रेत उत्खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है। स्थानीय लोगों के अनुसार रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों के जरिए नदियों से रेत निकालकर शहरों और मुख्य मार्गों के किनारे बने डंपों तक पहुंचाई जाती है। सुबह होते ही यही रेत हाईवा और अन्य वाहनों से ऊंचे दामों पर ग्राहकों तक पहुंचाई जाती है। हैरानी की बात यह है कि रोजाना दर्जनों वाहन ▶▶| शेष पेज 10 पर

तय समय में नहीं सुधरा फ्यूज या मीटर तो बिजली कंपनी देगी आर्थिक मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

बिजली उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में उपभोक्ताओं को बिजली संबंधी सेवाओं की समय-सीमा, शिकायत निवारण प्रक्रिया और सेवा में देरी होने पर मिलने वाले मुआवजे की जानकारी दी गई। इस दौरान कई उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण भी किया गया। कार्यक्रम में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम रायपुर के अध्यक्ष ए.के. खंडेलवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग के 'निष्पादन मानक विनियम-2020' के तहत बिजली कंपनियों के लिए विभिन्न सेवाओं की समय-सीमा निर्धारित की गई है। यदि निर्धारित समय के भीतर सेवा उपलब्ध नहीं कराई जाती है, तो संबंधित बिजली कंपनी को उपभोक्ताओं को आर्थिक मुआवजा देना होगा। शिविर में बताया गया कि फ्यूज उड़ने या बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में शहरी क्षेत्र में 4 घंटे और ग्रामीण क्षेत्र में 24 घंटे के भीतर बिजली बहाल करना अनिवार्य है। इसी तरह सामान्य घरेलू बिजली कनेक्शन शहरी क्षेत्र में 7 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्र में 15 दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना चाहिए। निर्धारित समय सीमा ▶▶| शेष पेज 10 पर

महिला कमांडो संग सड़क पर उतरी पुलिस, शराबियों को दी अंतिम चेतावनी

सार्वजनिक स्थलों पर छलकाया जाम तो खैर नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फिंगेश्वर

फिंगेश्वर में नशे के बढ़ते कारोबार और सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली शराबखोरी के खिलाफ पुलिस ने एक बड़ा और कड़ा अभियान शुरू किया है। गरियाबंद जिला पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर एवं एसडीओपी लितेश सिंह के दिशा-निर्देश पर फिंगेश्वर पुलिस और वार्ड क्रमांक 7 की महिला कमांडो की टीम ने संयुक्त रूप से सड़क पर उतरकर असामाजिक तत्वों व शराबियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस संयुक्त फ्लैग मार्च और कार्रवाई के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर जाम छलकाने वालों को कड़ी चेतावनी दी गई, वहीं कई चौक-चौराहों पर पुलिस को देखकर भाग रहे शराबियों को दौड़ाकर खदेड़ा गया। थाना प्रभारी जयप्रकाश नेताम की अगुवाई में पुलिस बल और वार्ड क्रमांक 7 की जांबाज महिला कमांडो ने नगर के विभिन्न मोहल्लों, सुनसान इलाकों और संवेदनशील खेल मैदानों में घूम-घूमकर दबिश दी। अभियान के दौरान जहां भी लोग खुले में शराब पीते या नशा करते मिले, उन्हें अंतिम चेतावनी दी गई। कई जगहों पर जब शराबी बहस करने की कोशिश करने लगे, तो पुलिस और महिला कमांडो की टीम ने उन्हें दौड़ाकर खदेड़ दिया और दोबारा दिखने पर सीधे जेल भेजने की सख्त चेतावनी दी।

वार्ड 7 की महिलाओं ने उठाया बीड़ा: माहौल खराब करने नहीं देंगे- बता दें कि फिंगेश्वर के वार्ड क्रमांक 7 की महिलाओं ने लंबे समय से शराबियों के आतंक और गाली-गलौज के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई है। अब ये महिलाएं घर की दहलीज से बाहर निकलकर पुलिस के इस विशेष अभियान में कंधे से कंधा मिलाकर हिस्सा ले रही हैं। महिला कमांडो की सदस्यों ने कहा कि खुलेआम होने वाली शराबखोरी के कारण मोहल्ले का माहौल बेहद खराब हो रहा था, माता-बहनों और स्कूली बच्चियों का रास्ते से गुजरना दूभर हो गया ▶▶| शेष पेज 10 पर

सोनेसिल्ली में पालकों ने स्कूल में जड़ा ताला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवापारा-राजिम

ग्राम सोनेसिल्ली में ग्रामीणों एवं पालकों का गुस्सा ऐसा चढ़ा कि स्कूल में पहुंचकर ताला जड़ दिया। बताया गया है कि लंबे समय से स्कूल की समस्या को लेकर ग्रामीण गुस्साए थे जिसका समाधान नहीं होने पर ताला जड़ दिया गया। जानकारी के मुताबिक 2010 में प्राथमिक शाला भवन जर्जर होने पर डिस्मेंटल घोषित कर तोड़ दिया गया,10 वर्ष बीत जाने के बाद भी नया स्कूल भवन निर्माण नहीं हो सका। शाला प्रबंधन समिति द्वारा इस संबंध में शासन-प्रशासन, कलेक्टर,सांसद,विधायक, शिक्षा विभाग को कई ज्ञापन देकर इस दिशा में ध्यान आकर्षित किया गया मगर कोई पहल नहीं हुआ। ग्रामीणो ने बताया कि मिडिल स्कूल भवन भी काफी ▶▶| शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

पंकज निर्मलकर भाजयुमो जिला महामंत्री नियुक्त कार्यकर्ताओं में हर्ष

मुड़ागांव (कोरासी)। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इंजी. पंकज निर्मलकर को भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो), जिला गरियाबंद का जिला महामंत्री नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर जिले भर के भाजपा कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं युवाओं में खुशी का माहौल है। कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए नए दायित्व के

सफल निर्वहन की शुभकामनाएं दीं। नियुक्ति के बाद इंजी. पंकज निर्मलकर ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, संगठन महामंत्री पवन कुमार साय, सांसद रूपकुमारी चौधरी, विधायक रोहित साहू सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा दिया गया यह दायित्व उनके लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि राष्ट्रसेवा और जनसेवा का अवसर है।

निधन

बलराम तिवारी

अभनपुर। अभनपुर के प्रतिष्ठित नागरिक व भाजपा के वरिष्ठ नेता

बलराम तिवारी का हृदयघात से 16 जुलाई की शाम करीब 7 बजे निधन हो गया जिनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम अभनपुर मे किया गया। अंत्योष्टि कार्यक्रम मे स्थानीय लोगो के साथ ही भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक बजाज, देवजी भाई पटेल सहित हजारों की संख्या मे भाजपा के के लोग शामिल हुए व श्रद्धांजलि दी।

समीक्षा बैठक : अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

जनपद सामान्य सभा में श्रम विभाग पर फूटा जनप्रतिनिधियों का गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बागबाहरा

जनपद पंचायत बागबाहरा की सामान्य सभा की महत्वपूर्ण बैठक 15 जुलाई को जनपद सभाकक्ष में अध्यक्ष केशव नायकराम चंद्राकर, उपाध्यक्ष तरुण व्यवहार तथा सीईओ मनहरण लाल मंडावी की उपस्थिति में आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा की गई, लेकिन सबसे अधिक हंगामा और तीखी बहस श्रम विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर देखने को मिली। जनप्रतिनिधियों ने अधिकारियों से प्रवासी श्रमिकों का आंकड़ा, पंजीकृत ठेकेदारों और पलायन करने वाले मजदूरों की जानकारी मांगी, लेकिन अधिकारी संतोषजनक जवाब देने में असफल रहे।

कन्हैया लाल ध्रुव की मौत का मामला प्रमुखता से उठा

बैठक में ग्राम पंचायत बीकेबाहरा निवासी प्रवासी श्रमिक कन्हैया लाल ध्रुव की उत्तर प्रदेश में कार्य के दौरान हुई मौत का मामला प्रमुखता से उठाया गया। जनप्रतिनिधियों ने सवाल किया कि घटना को कई सप्ताह बीत जाने के बाद भी मृतक के परिजनों को न तो मृत्यु प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया और न ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट दी गई। इन दस्तावेजों के अभाव में परिवार आज तक शासकीय मुआवजा और बीमा राशि से वंचित है। सदस्यों ने इसे श्रम विभाग की गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि गरीब मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित होकर रह गई हैं।

हर पंचायत में बनेगा 'पलायन पंजी'

बैठक में श्रम विभाग को निर्देश दिए गए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में अनिवार्य रूप से 'पलायन पंजी' संधारित किया जाए, जिसमें बाहर काम करने जाने वाले प्रत्येक श्रमिक, उसे ले जाने वाले एजेंट, कार्यस्थल और संपर्क संबंधी पूरी जानकारी दर्ज रहे, ताकि किसी दुर्घटना की स्थिति में परिवार को तत्काल सहायता और मुआवजा मिल सके।

अध्यक्ष केशव चंद्राकर ने की अन्य विभागों की भी समीक्षा

बैठक की अध्यक्षता कर रहे केशव नायकराम चंद्राकर ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने विभागवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

कृषि विभाग से खाद-बीज की उपलब्धता पर मांगी जानकारी

अध्यक्ष ने कृषि विभाग के अधिकारियों से किसानों को समय पर खाद एवं बीज उपलब्ध कराने की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा खाद-बीज की कृत्रिम कमी या कालाबाजारी पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

शिक्षा विभाग से जर्जर स्कूल भवन और शिक्षकों की कमी पर जवाब-तलब

बैठक में शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान विभिन्न ग्रामों के जर्जर स्कूल भवनों, शिक्षकों के रिक्त पदों और पढ़ाई की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई। अध्यक्ष ने अधिकारियों से कहा कि जिन विद्यालयों में भवन जर्जर हैं अथवा शिक्षकों की कमी है, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई कर विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होने दी जाए।

आंगनबाड़ी भवनों की स्थिति की ली जानकारी

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में जर्जर आंगनबाड़ी भवनों तथा उन आंगनबाड़ी केंद्रों का मुद्दा उठाया गया, जो आज भी शासकीय या सामाजिक भवनों में संचालित हो रहे हैं। अध्यक्ष ने अधिकारियों से ऐसे सभी केंद्रों की सूची तैयार कर आवश्यक भवन निर्माण की कार्यवाही तेज करने के निर्देश दिए।

किसानों की मांग पर ट्रांसफार्मर लगाने की समीक्षा

बिजली विभाग की समीक्षा के दौरान किसानों की मांग के अनुरूप आवश्यक स्थानों पर नए ट्रांसफार्मर उपलब्ध कराने और खराब ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदलने के विषय में अधिकारियों से जानकारी ली गई। अध्यक्ष ने कहा कि सिंचाई के मौसम में बिजली व्यवस्था बाधित नहीं होनी चाहिए और किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए। बैठक में विद्युत, कृषि, महिला एवं बाल विकास, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य, वन, आदिम जाति कल्याण एवं शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों की योजनाओं और कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जनपद सदस्य राहुल चंद्राकर, तुलाराम ठाकुर, बलराम ध्रुव, भूपेंद्र (मोंटू) दीवान, गरिमा चंद्राकर, मधुलिका चंद्राकर, भूमिका सिन्हा, तारेश्वरी पटेल, थनेश्वरी प्रहलाद साहू, दिव्या उपेंद्र दीवान, जामिन ठाकुर, मानबाई ठाकुर, रेणुका मरकाम, देवकी गायकवाड़, गीता दीवान, रुखमणि साहू, पूजा एवन साहू, भगवती ठाकुर, लता कुमारी कुम्हार, चंद्रकला साहू, पारस सांखला, लोचन पटेल एवं धनंजय साहू सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजयुमो जिलाध्यक्ष ने मंत्री गुरु खुशवंत व रोहित से की मुलाकात

राजिम। भारतीय जनता युवा मोर्चा, नवनियुक्त जिलाध्यक्ष दीपक साहू ने छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, राजिम विधायक रोहित साहू, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर से सौजन्य मुलाकात कर उनका आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। इस अवसर पर दीपक साहू ने शीर्ष नेतृत्व द्वारा उन्हें भारतीय जनता युवा मोर्चा, गरियाबंद का जिलाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया तथा संगठन को और अधिक मजबूत करने, युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ने तथा जनसेवा के कार्यों को पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। जनप्रतिनिधियों ने दीपक साहू को नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भाजयुमो गरियाबंद जिले में संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी तथा युवा शक्ति राष्ट्र निर्माण और जनकल्याण के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

यादव समाज की लगातार उपेक्षा कर रही भाजपा सरकारः रमेश यदु

मैनपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार द्वारा लगातार यादव समाज की उपेक्षा किया जा रहा है। यादव समाज को अपना अधिकार पाने के लिए एक मंच मे आना पड़ेगा और संगठित होना पड़ेगा उक्त बातें मैनपुर पहुंचे छत्तीसगढ़िया सर्व समाज महासंघ एवं सर्व यादव समाज के प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु ने कही। श्री यदु ने मैनपुर लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में क्षेत्रभर से पहुंचे। यादव समाज व सर्व समाज के लोगो से भेंट मुलाकात किया इस दौरान उनका आत्मीयता से स्वागत किया गया। रमेश यदु ने भाजपा संगठन मंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब से वे संगठन मंत्री का पदभार संभाले है तब से लगातार यादव समाज की उपेक्षा किया जा रहा है। संगठन में भी यादव समाज के लोगो को कोई बड़ा महत्व नहीं दिया जा रहा है गौ सेवा आयोग, दुग्ध

महासंघ मे यादव समाज के अध्यक्ष की नियुक्ति होना चाहिए था लेकिन हमारे समाज की उपेक्षा किया गया है और लगातार किया जा रहा है। उन्होने आगे मांग रखते हुए कहा कि इससे दुर्भाग्य पूर्ण बात कुछ नहीं हो सकता छत्तीसगढ़िया समाज आज पीड़ित है गंधर्व समाज के नाम से बाजा एवं संस्कृति कला बोर्ड कलार समाज के नाम से महुआ बोर्ड तथा सुनार समाज के नाम से स्वर्ण कला बोर्ड एवं गडरिया पाल समाज के नाम से भेड़ पालन तथा उन संवर्धन बोर्ड बनाना चाहिए जो आज तक नहीं बन पाया।

पेड़ पर चढ़कर शहद खाता दिखा भालू, कैमरे में कैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के कुल्हाड़ीघाट रेंज में वन्यजीव प्रेमियों के लिए एक बेहद दुर्लभ और रोमांचक दृश्य देखने को मिला है यहां जंगल के बीच एक विशाल पेड़ की ऊंची शाखा पर चढ़कर एक भालू मधुमक्खियों के छत्ते से बड़े चाव से शहद खाता नजर आया। प्राकृतिक वातावरण में भालू का यह व्यवहार वन्यजीवों की स्वाभाविक जीवनशैली और अंचल की समृद्ध जैव विविधता का एक अनूठा उदाहरण माना जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भालू बेहद सहजता से पेड़ के शिखर पर चढ़ा और मधुमक्खियों के छत्ते तक पहुंचकर काफी देर तक शहद का आनंद लेता रहा इस दौरान हजारों मधुमक्खियों की परवाह किए बिना वह अपनी मजबूत पकड़ और संतुलन के साथ पेड़ की ऊंची शाखाओं पर डटा रहा। वन्यजीव

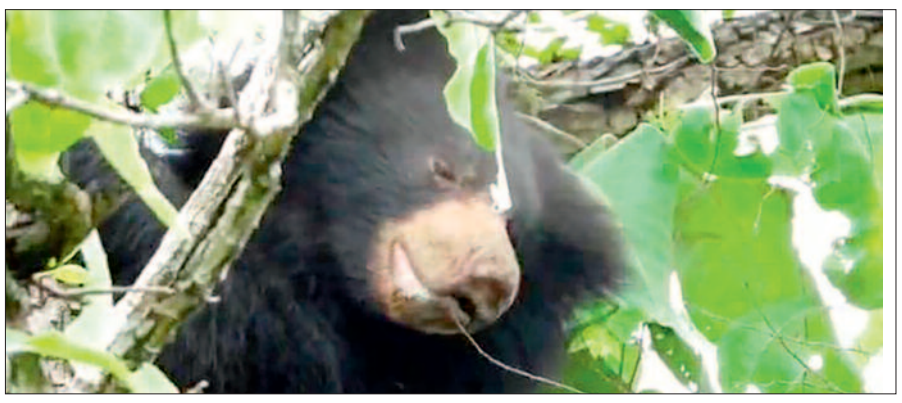

विशेषज्ञों के मुताबिक, स्लॉथ भालू (रीछ) का प्रमुख भोजन दीमक, चींटियां, फल, महुआ और जामुन के साथ–साथ शहद भी होता है। प्राकृतिक जंगलों में भालुओं का मधुमक्खियों के छत्तों को खोजना और पेड़ पर चढ़कर शहद खाना उनके स्वाभाविक व्यवहार का हिस्सा है। गौरतलब है कि उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व अपने घने वनों के लिए जाना जाता है, जो भालू, तेंदुआ, राजकीय पशु वनभैंसा और धोल (जंगली कुत्ता) सहित अनेक दुर्लभ वन्यजीवों का सुरक्षित ठिकाना है।

वन विभाग की अपील, सुरक्षित दूरी बनाए रखें ग्रामीण व पर्यटक- वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस तरह के नजारे यह साबित करते हैं कि उदंती–सीतानदी टाइगर रिजर्व का प्राकृतिक आवास आज भी वन्यजीवों के लिए पूरी तरह अनुकूल बना हुआ है। हालांकि, प्रबंधन ने जंगल के रास्ते आवाजाही करने वाले ग्रामीणों और पर्यटकों से विशेष अपील की है कि वन्यजीव दिखाई देने पर उनसे सुरक्षित दूरी बनाए रखें। किसी भी परिस्थिति में उनके नजदीक जाने या उन्हें परेशान करने का प्रयास न करें, क्योंकि ऐसे समय में वन्यजीव आक्रामक हो सकते हैं।

राजिम थाना परिसर में जंग खा रही हैं लाखों की गाड़ियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

सड़क दुर्घटनाओं, आपराधिक मामलों और विभिन्न कानूनी प्रकरणों में जब्त की गई दोपहिया एवं चारपहिया वाहन वर्षों से राजिम थाना परिसर में खुले आसमान के नीचे खड़ी-खड़ी कबाड़ में तब्दील हो रही हैं। कभी लाखों रुपये की कीमत रखने वाली ये गाड़ियां आज जंग खाकर अपनी पहचान खोती जा रही हैं। इनमें कई वाहन ऐसे हैं जो बैंक या फाइनेंस कंपनियों से किस्तों पर खरीदे गए थे, लेकिन दुर्घटना या कानूनी विवाद के बाद थानों में पहुंच गए और फिर कभी बाहर नहीं निकल सके। थानों का बड़ा हिस्सा अब वाहनों के कबाड़घर जैसा दिखाई देने लगा है। कहीं टूटी हुई कारें धूल फांक रही हैं तो कहीं सैकड़ों मोटरसाइकिलें बारिश, धूप और मौसम की मार झेलते हुए धीरे-धीरे नष्ट हो रही हैं। इन वाहनों में कई ऐसी भी हैं जो भीषण सड़क दुर्घटनाओं का हिस्सा रही हैं, जिनमें लोगों की जान तक

चली गई। कुछ वाहन आपराधिक मामलों में जब्त किए गए, तो कुछ के मालिक न्यायिक प्रक्रिया पूरी होने का वर्षों से इंतजार कर रहे हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि अधिकांश मामलों में न्यायालय में प्रकरण लंबित होने के कारण वाहन न तो मालिकों को सुपुर्द किए जा सकते हैं और न ही उनका निस्तारण हो पाता है। परिणामस्वरूप करोड़ों रुपये की राष्ट्रीय संपत्ति धीरे-धीरे कबाड़ में बदल रही है। वर्षों तक खुले में पड़े रहने से इनकी उपयोगिता समाप्त हो जाती है और अंततः इनका मूल्य नाम मात्र रह जाता है। यह स्थिति केवल वाहन मालिकों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकारी व्यवस्था के लिए भी चिंता का विषय है। थानों में जगह की कमी होती जा रही है, जिससे पुलिस के दैनिक कार्य भी प्रभावित होते हैं। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय संपत्ति का लगातार नष्ट होना भी गंभीर आर्थिक क्षति है।

जय जगन्नाथ के उद्घोष से गूंजा राजमहल मैदान

बड़े भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा व महाप्रभु की रथयात्रा में उमड़ी भीड़

सरायपाली। राजमहल मैदान में महाप्रभु जगन्नाथ की रथयात्रा हर्षोल्लास के साथ श्रद्धालुओं के अपार जन समूह के बीच जय जगन्नाथ उद्घोष करते हुए निकाली गई। मंदिर से बड़े भाई बलभद्र, बहन सुभद्रा व प्रभु जगन्नाथ को मंत्रोच्चार के साथ रथ पर आरुढ़ किया गया। इस दौरान भक्तों के अपार जनसमूह से भरा दिखाई दिया। इसी प्रकार श्रीराम मंदिर थाना चौक से भी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा पर सरायपाली नगर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पूरे नगर मंच "जय जगन्नाथ्र के जयघोष से वातावरण गूंज उठा और श्रद्धा का अनुपम दृश्य देखने को मिला। भव्य रथयात्रा पारंपरिक गाजे-बाजे, ढोल-नगाड़ों और भजन-कीर्तन के बीच निकाली गई।

पेज 11 के शेष...

क्रेन और सरई के गोले....

से पहले ही विभाग के कुछ अधिकारियों द्वारा मील संचालकों को कार्रवाई की सूचना दे दी गई, जिसके बाद क्रेन और ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से बड़ी मात्रा में लकड़ी को दूसरे स्थान पर भेजने का प्रयास किया गया।

बताया जा रहा है कि वन विभाग ने मील से बाहर लकड़ी ले जाते हुए एक ट्रैक्टर वाहन को पकड़ा। जब अधिकारियों ने लकड़ी से संबंधित वैध दस्तावेज मांगे तो मील संचालक कोई भी संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

सूत्रों के अनुसार जिस परिसर में कार्रवाई हुई वहां कुल चार आरा मील संचालित हैं लेकिन मौके पर केवल एक मील का ही लाइसेंस प्रस्तुत किया गया। शेष तीन मीलों के बिना वैध अनुमति संचालित होने की आशंका जताई जा रही है। इसके बाद सभी संबंधित आरा मीलों को सील कर दिया गया।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन आरा मीलों के खिलाफ पहले भी कई बार शिकायतें की गई थीं, लेकिन स्थानीय वन अधिकारियों की कथित मिलीभगत के कारण अवैध लकड़ी का कारोबार लंबे समय से जारी था। यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि कार्रवाई से पहले क्षेत्र के डिप्टी रेंजर के मील पहुंचने के बाद कई ट्रैक्टरों में लकड़ी भरकर बाहर भेजी गई। इसी दौरान लकड़ी लेकर जा रहे एक ट्रैक्टर को वन विभाग ने पकड़ लिया। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है तो विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो सकते हैं।

जानकारी यह भी सामने आई है कि मील परिसर के भीतर अभी भी 90 टन से अधिक सरई के गोले छिपाकर रखे होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। लकड़ी कितनी है इसकी आधिकारिक पुष्टि वन विभाग द्वारा अभी नहीं की गई है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि संबंधित डिपो प्रभारी नियमित रूप से आरा मीलों का निरीक्षण करने का दावा करते हैं, लेकिन यदि इतने बड़े पैमाने पर अवैध लकड़ी का भंडारण और कारोबार चल रहा था तो इसकी जानकारी विभाग को कैसे नहीं मिली। इससे विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं।

झमाझम बारिश से...

आने वाले दिनों में यदि इसी तरह बारिश का सिलसिला जारी रहा तो जल संकट से भी काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। लगातार उमस और गर्मी से आमजन का जीना मुश्किल हो गया था। दिनभर चिपचिपी गर्मी से लोग बेहाल रहते थे और रात में भी राहत नहीं मिल रही थी। बिजली की खपत बढ़ गई थी और छोटे बच्चे, बुजुर्ग तथा बीमार लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही थी। गुरुवार रात हुई बारिश ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया। तापमान में गिरावट आई और लोगों ने लंबे समय बाद सुकूनभरी रात का अनुभव किया।

जलस्रोतों को मिला जीवनदान, बोरवेल के गिरते जलस्तर पर लगेगी रोक- कृषि विशेषज्ञों का भी मानना है कि खरीफ फसलों के लिए यह बारिश काफी लाभदायक साबित होगी। खेतों में पर्याप्त नमी बनने से धान सहित अन्य खरीफ फसलों की बुवाई तेजी से आगे बढ़ सकेगी। यदि आने वाले दिनों में भी समय-समय पर अच्छी बारिश होती रही तो इस वर्ष बेहतर उत्पादन की उम्मीद की जा सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बारिश को लेकर उत्साह का माहौल देखने को मिला। किसानों का कहना है कि पिछले कई दिनों से वे चिंतित थे, लेकिन अब उम्मीद की नई किरण दिखाई देने लगी है। बारिश ने न केवल खेतों को नई ऊर्जा दी है, बल्कि किसानों के चेहरे पर भी विश्वास और संतोष लौटाया है। रथयात्रा के दिन हुई इस बारिश को कई लोग शुभ संकेत भी मान रहे हैं। लोगों का कहना है कि भगवान श्री जगन्नाथ की कृपा से पूरे अंचल को राहत मिली है। अब सभी की निगाहें आने वाले दिनों के मौसम पर टिकी हैं, ताकि बारिश का यह सिलसिला बना रहे और खरीफ सीजन बेहतर साबित हो।

प्रतिबंध को ठेंगा...

रेत लेकर निकलते दिखाई देते हैं, लेकिन डंपों में रेत का ढेर कम होने के बजाय लगभग जस का तस नजर आता है। राजिम, नवापारा ही नहीं, बल्कि मुख्य मार्गों से लगे कई गांवों में भी पहाड़ जैसी रेत की विशाल ढेरियां दिखाई दे रही हैं। इससे अवैध उत्खनन और परिवहन की आशंकाओं को बल मिलता है। यदि वास्तव में प्रतिबंध का पालन हो रहा है, तो इतनी बड़ी मात्रा में रेत का भंडारण और बिक्री कैसे संभव हो रही है? ऐसे में जिला प्रशासन, खनिज विभाग और पुलिस को संयुक्त अभियान चलाकर सभी अधिकृत रेत डंपों का भौतिक सत्यापन करना चाहिए।

तय समय में नहीं...

का पालन नहीं होने पर उपभोक्ता मुआवजे के पात्र होंगे। इसके अलावा जले हुए मीटर को तय समय में बदलने, वोल्टेज की समस्या, मीटर खराबी और बिजली बिल संबंधी शिकायतों के निराकरण के लिए भी समय-सीमा निर्धारित की गई है। यदि इन मामलों में अनावश्यक देरी होती है, तो उपभोक्ताओं को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा, जिसका समायोजन उनके बिजली बिल में किया जाएगा।

फोरम और विद्युत लोकपाल के पास अपील का अधिकार- अधिकारियों ने बताया कि उपभोक्ता अपनी शिकायत ऑनलाइन, टेलीफोन या डाक के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। शिकायत दर्ज होने पर उन्हें यूनिक शिकायत नंबर दिया जाएगा। यदि निर्धारित समय में समाधान या मुआवजा नहीं मिलता है, तो उपभोक्ता विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम तथा उसके बाद विद्युत लोकपाल के समक्ष अपील कर सकते हैं। शिविर के दौरान मौजूद उपभोक्ताओं की समस्याएं भी सुनी गईं और कई शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। कार्यक्रम में विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम रायपुर के अध्यक्ष एके खंडेलवाल, कार्यपालन अभियंता एच.एस. प्रसाद, सहायक अभियंता शिवेंद्र साहू, विमल साहू, धर्मेंद्र साहू, देवकुमार, कनिष्ठ यंत्री उमेश चंद्राकर, ढालेंद्र ठाकुर, आदित्य वर्मा, जॉन्सन बंजारे, गोकुल देवांगन, योगेश साहू, नारायण कौशिक सहित बड़ी संख्या में विद्युत उपभोक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन गजेंद्र साहू ने किया।

सार्वजनिक स्थलों पर...

था, जिसे रोकने के लिए पुलिस के साथ मिलकर यह बड़ी पहल करना अत्यंत आवश्यक था। थाना प्रभारी जयप्रकाश नेताम ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए साफ संदेश दिया है कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीना कानूनन अपराध है और ऐसे लोगों के खिलाफ अब कोई ढील नहीं दी जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से भी भावुक अपील की है कि वे अपने आस-पास होने वाले अवैध नशे, सट्टा या किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों की सूचना तत्काल फिंगेश्वर पुलिस को दें, ताकि सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखकर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सुदृढ़ कानून व्यवस्था बनाई रखी जा सके। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सोनेसिल्ली में पालकों...

जर्जर होने के कारण संकुल द्वारा उस भवन में कक्षा न लगाने, एवं दो पाली में लगाने का आदेश दिया गया, अभी स्कूल, दो पाली में लग रहा है उसमें भी पहली और दूसरी क्लास एक ही कक्षा में, जबकि तीसरी और चौथी क्लास एक ही कक्षा में तथा 5 वी क्लास प्रधानपाठक कक्ष में संचालित हो रही है। इस समस्या से नाराज ग्रामीणों और पालकों ने स्कूल भवन में ताला लगा दिया है, और आगे समस्या का समाधान नहीं करने पर उग्र आंदोलन जारी रखने की बात कही है।

खबर संक्षेप

रसेला में अतिक्रमण की भेंट चढ़ी गोचर भूमि

रसेला। ग्राम रसेला में चारों तरफ चारागाह अतिक्रमण की में आने से (गोचर भूमि) सिमट गए है, जिससे गाय चराने वाले चरवाहों को भारी कठनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पर्याप्त चारे और सुरक्षित जगह की कमी के कारण, चरवाहे अब गायों को चराने के लिए के लिए इच्छुक नहीं हैं। गांवों में पारंपरिक गोचरान की जमीनों और धरसा पर लोगों ने खेत बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया है, जिससे गायो को चरने की जगह नहीं मिल रही है। पशुपालक राम यादव, नंदूदास मानिकपुरी, धनीराम यादव,बध्दु राम ठाकुर, नंदकिशोर यादव, संतराम यादव, बेदराम यादव, यशराम यादव,लक्ष्ण यादव, तामेश्वर मरकाम आदि लोगों ने बताया कि स्थानीय स्तर पर चारागाह और धरसा की शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने और मवेशियों के लिए सुरक्षित स्थानों को संरक्षित करने की मांग लगातार उठ रही है। चरवाहा लोगों ने अपनी पीड़ा सुनते हुए कहा कि जिस दिन बारिश होती है, और नदी नाले में बाढ़ आने पर मवेशियों को एक या दो घंटे चराने के लिए शासकीय भूमि नहीं मिलता, जिधर देखो उधर अतिक्रमण का भेंट चढ़ा हुआ है। प्रशासन द्वारा जिले में शासकीय भूमि की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए नियमानुसार सख्त कार्रवाई निरंतर जारी रखना चाहिए। साथ ही अब देखने वाली बात यह है कि पंचायत और ग्राम समिति चारागाह और धरसा के लिए व्यवस्था बनाते हैं या चारवाहों को मनाने में सफल होते हैं।

नपं अध्यक्ष ने छेड़ी नशा जुआ के खिलाफ मुहिम

छुरा। मेरा बेटा पहले पढ़ाई में अच्छा था, अब नशे और जुआ की संगत में पड़कर स्कूल छोड़ चुका है.. समझाने पर घर में झगड़ा करता है..., हम अपने बच्चों का भविष्य बर्बाद होते नहीं देख सकते... ऐसी अनेक शिकायतें जब नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी थानसिंग निषाद तक पहुंचीं, तो उन्होंने इसे केवल एक प्रशासनिक विषय नहीं, बल्कि

पूरे समाज की चिंता मानते हुए नशा और जुआ के विरुद्ध सख्त अभियान चलाने की मांग उठाई है। अध्यक्ष श्रीमती निषाद ने बताया कि नगर के कुछ वार्डों से लगातार अभिभावक, माताएं और बुजुर्ग उनसे मिलकर अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। कई लोगों ने कहा कि नशे और जुए की वजह से बच्चे पढ़ाई छोड़ रहे हैं, गलत संगति में पड़ रहे हैं और परिवारों में तनाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी शिकायतें सुनकर किसी भी जनप्रतिनिधि का मन व्यथित हो जाता है। उन्होंने कहा कि नगर का वास्तविक विकास तभी संभव है जब उसका युवा शिक्षित, संस्कारी और नशामुक्त हो। यदि आज समाज इस समस्या के प्रति गंभीर नहीं हुआ, तो आने वाले वर्षों में इसके दुष्परिणाम पूरे समाज को भुगतने पड़ सकते हैं। लुकेश्वरी थानसिंग निषाद ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि नगर के संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर अवैध शराब, गांजा एवं अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाई जाए, जुआ-सट्टा संचालित करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए तथा नियमित गश्त बढ़ाकर युवाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

आस्था : जय जगन्नाथ और हरि बोल के जयघोष गूंजते रहे, गजामूंग का प्रसाद पाने उमड़ी भारी भीड़

बरसते पानी में उत्साह के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

नगर में गुरुवार को भगवान श्री जगन्नाथ की पावन रथ यात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। रथ यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व नगर में तेज बारिश हुई, जिससे कुछ समय के लिए कार्यक्रम प्रभावित हुआ। वर्षा थमने के बाद भगवान श्री जगन्नाथ, बलभद्र एवं माता सुभद्रा का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। इसके पश्चात भव्य रथ यात्रा मानस मंदिर प्रांगण से प्रारंभ होकर नगर भ्रमण करते हुए राजमहल स्थित श्री राधा-कृष्ण मंदिर तक पहुंची। रथ यात्रा के दौरान पूरा नगर "हरि बोल" और "जय जगन्नाथ" के जयघोष से भक्तिमय हो उठा। नगर के महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए। श्रद्धालु पूरे मार्ग में भजन-कीर्तन करते हुए भगवान के रथ के साथ चलते रहे। रथ यात्रा का प्रमुख आकर्षण भगवान नृसिंह अवतार की मनमोहक झांकी रही, जिसने श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान आकर्षित किया। वहीं ओड़िया भजन मंडली ने पारंपरिक भजनों एवं संकीर्तन की मधुर प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। भक्तगण नृत्य-कीर्तन करते हुए पूरे उत्साह के साथ यात्रा में आगे बढ़ते रहे।

नगर के गणमान्य नागरिकों सहित सैकड़ों भक्त रहे मौजूद

नगरवासियों के आपसी सहयोग, अनुशासन एवं धार्मिक आस्था के कारण भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा अत्यंत भव्य, शांतिपूर्ण एवं सफल रही। पूरे नगर में हर्ष,उल्लास और भक्ति का वातावरण बना रहा तथा श्रद्धालुओं ने भगवान श्री जगन्नाथ से सुख, समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। इस मौके पर ओंकार शाह, यशपेन्द्र शाह, बजरंग पांडे, यज्ञेश प्रसाद पांडे, के.आर.सिन्हा, नारायण पटेल, गोपाल सोनी, ललित साहू, मेषनंदन पांडे, शीतल ध्रुव, निखिल साहू, नीरज नायक, भोला पांडे, भोलेशंकर जायसवाल, अर्जुन धनंजय सिन्हा, कुश साहू, विनोद देवांगन, मिथलेश सिन्हा, मोनू सेन, ललित राठौर, नरेन्द्र पटेल, लालू सारडा, अजय चंद्राकर, सफर सचदेव, शैलेन्द्र दीक्षित, शिवशक्ति महिला मानस मंडली, आदर्श महिला मानस मंडली के सदस्य सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे।

प्रशासन और पुलिस की व्यवस्था रही चाक-चौबंद- यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के बीच गजा, मूंग सहित विभिन्न प्रकार के प्रसाद का वितरण किया गया। नगरवासियों ने पूरे मार्ग में भगवान के दर्शन कर पुष्पवर्षा एवं श्रद्धापूर्वक स्वागत किया। इस वर्ष रथ यात्रा में दानदाताओं का भी उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ। श्रद्धालुओं ने अपनी स्वेच्छा से आर्थिक सहयोग के साथ-साथ मूंग, चना, सब्जियां, पूजा सामग्री, किराना सामग्री, विद्युत सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं अर्पित कर भगवान की सेवा में अपनी सहभागिता निभाई। रथ यात्रा के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन में नगर पंचायत, विद्युत विभाग एवं पुलिस विभाग का सराहनीय योगदान रहा। थाना प्रभारी अपनी पूरी पुलिस टीम के साथ यात्रा के दौरान लगातार सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था संभालते रहे। वहीं विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने रथ के सुरक्षित आवागमन के लिए पूरे मार्ग में बिजली के तारों का समुचित प्रबंधन किया। नगर पंचायत द्वारा भी आवश्यक सुविधाएं एवं टैंकर सहित अन्य व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे यात्रा सुचारु रूप से संपन्न हुई।

राजिम में रथ यात्रा, उमड़ा भक्तों का सैलाब

राजिम। भगवान श्री जगन्नाथ जी का रथ श्री राजीवलोचन मंदिर से सायं 5 बजे नगर भ्रमण के लिए निकला। रथयात्रा के दौरान भगवान के दर्शन हेतु श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। तेज बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह और आस्था देखते ही बन रहा था। भगवान का यह रथ गायत्री मंदिर,बस स्टेण्ड होते हुए महामाया मंदिर पहुंचा। यहां रात्रि विश्राम हुआ। परंपरा के अनुसार शुक्रवार सुबह आरती के साथ भगवान का यह रथ जनकपुरी के लिए प्रस्थान हुआ। भक्तो ने पूजा अर्चना कर सुखमय जीवन की मंगल कामना की। भगवान का यह रथ गुरूवार शाम जब निकला तो नगर पालिका के सामने पालिका अध्यक्ष महेश यादव के नेतृत्व में बरसते पानी के बीच भगवान का भव्य स्वागत और विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर नगर एवं समस्त नगरवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की मंगलकामना की गई। इस अवसर पर उपाध्यक्ष पूर्णिमा चन्द्राकर, सभापति आकाश सिंह राजपूत, भारत यादव, कुलेश्वर साहू, पार्षद तुषार कदम, जुगु ठाकुर, उत्तम निषाद, बलराम यादव, सुरेश पटेल, टंकु सोनकर, अजय पटेल ,सीएमओ संतोष विश्वकर्मा,दीपक वर्मा ,वेदप्रकाश सहित नगर पालिका परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। रथयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की अपार आस्था, उत्साह श्रद्धा, भक्ति एवं सामाजिक सौहार्द्र वातावरण को खुशनुमा बना दिया।

नवापारा की सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रही बेलगाम रफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नवापारा-राजिम

इन दिनों नवापारा की सड़कों पर सबसे बड़ा खतरा यदि किसी चीज से है, तो वह है बेलगाम रफ्तार। शहर की संकरी गलियों से लेकर मुख्य मार्गों तक दोपहिया, ट्रैक्टर, मेटाडोर, हाइवा और मिनी बसें ऐसी गति से दौड़ रही हैं कि हर पल किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। ऐसा लगता है मानो सड़कें नहीं, रेसिंग ट्रैक हों। सबसे अधिक चिंता का विषय नौसिखिया बाइक सवार हैं। कई नाबालिग और अनुभवहीन युवक तेज रफ्तार में बाइक दौड़ाते हुए स्टंट करते नजर आते हैं। उन्हें न अपनी सुरक्षा की चिंता रहती है और न ही सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की। थोड़ी-सी चूक किसी परिवार की खुशियां उजाड़ सकती है। केवल

युवाओं को दोष देकर जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। अभिभावकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि बच्चे बाइक या स्कूटर लेकर घर से निकल रहे हैं, तो यह देखना माता-पिता का दायित्व है कि वे वाहन सुरक्षित और निर्धारित गति से चला रहे हैं या नहीं। कई बार लापरवाही से दी गई छूट ही दुर्घटनाओं का कारण बन जाती है। दुकानों, गैरेज, ट्रांसपोर्ट कंपनियों और अन्य प्रतिष्ठानों में काम करने वाले हेल्परों और सहायकों को भी सामान लाने-ले जाने के लिए वाहन दिए जाते हैं। समय बचाने की होड़ में वे तेज रफ्तार से वाहन चलाते हैं। संबंधित संचालकों को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके कर्मचारी जल्दबाजी के बजाय सुरक्षित ड्राइविंग को प्राथमिकता दें। स्थिति केवल दोपहिया वाहनों तक सीमित नहीं है। शहर के बीचोंबीच ट्रैक्टर, मेटाडोर, हाइवा और मिनी बसें भी बिना गति कम किए गुजरती हैं। भारी वाहनों की तेज रफ्तार छोटे वाहन चालकों, पैदल राहगीरों और स्कूली बच्चों के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। बाजार क्षेत्र, तिराहों और चौराहों पर भी कई चालक गति नियंत्रित करने की जरूरत महसूस नहीं करते।

विहिप के सामाजिक समरसता विभाग की हुई बैठक

महासमुंद। विश्व हिंदू परिषद के सामाजिक समरसता विभाग की बैठक स्थानीय स्वाध्याय भवन कालेज रोड में हुई। बैठक का प्रारंभ भारत माता एवं राम जानकी के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर, ब्राह्मण, विजय महामंत्र, एकात्मता मंत्र से हुआ। बैठक में सामाजिक समरसता के क्षेत्रीय प्रमुख गोपाल सोनी, प्रांत प्रमुख अखिलेश लूनिया, विभाग मंत्री सौरभ अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। बैठक में कार्यक्षेत्र, कार्य पद्धति, कार्यकर्ता चयन, टोली निर्माण, कार्यविभाग के कार्यक्रम, बैठकें तथा प्रवास एवं विश्व हिंदू परिषद के कार्य विस्तार में समरसता के दायित्वान कार्यकर्ताओं के योगदान और कार्य विस्तार पर चर्चा हुई। समाज में छुआछूत की भावना दूर करने एवं समाज में सामाजिक समरसता लाने के उद्देश्य से तीनों महासमुंद, गरियाबंद एवं धमतरी में सामाजिक समरसता का जिला टोली गठित किया गया। बैठक में समरसता प्रमुख, सहप्रमुख, समरसता में रूचि रखने वाले कार्यकर्ताओं, सभी विभागों के विभाग मंत्री एवं जिला मंत्री, जिला सह मंत्री को अपेक्षित आमंत्रित किए गए थे।

डिप्टी सीएम साव से मिले लाला साहू

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजिम

राजिम भक्तिन माता समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष लाला साहू राजधानी रायपुर पहुंचकर डिप्टी सीएम अरूण साव से मुलाकात किया। श्री साव ने दोबारा चुने जाने पर लाला साहू को बधाई और शुभकामना दी। इस अवसर पर विधायक रोहित साहू, रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू, अभनपुर विधायक इंद्रकुमार साहू, समिति के संरक्षक भुनेश्वर साहू, दयाराम साहू, धरम साहू एवं हीरामन साहू भी मौजूद थे। डिप्टी सीएम अरूण साव ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष लाला साहू का पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया। कहा कि राजिम भक्तिन माता समिति समाज में सेवा, सदभाव,सामाजिक न्याय और सांस्कृतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने वाली प्रतिष्ठित संस्था है। उन्होंने करते हुए कहा कि समिति समाज की एकता, संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और सामाजिक समरसता को और अधिक मजबूत करने के

समिति से राजिम भक्तिन माता के जीवन-दर्शन, सेवा और सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने तथा धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों के माध्यम से समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने का आग्रह किया।लाला साहू ने उपमुख्यमंत्री का आभार व्यक्त लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी। इस अवसर पर समिति के उपाध्यक्ष आलोक साहू, संगठन सचिव रमेश साहू, गीता साहू, रामाधार साहू, हिरेंद्र साहू, नेमलाल साहू, प्रेमलाल साहू, युवा नेता डिगेश्वर साहू, कोमल साहू एवं सुरेन्द्र साहू मौजूद थे।

सुरसाबांधा में निबंध लेखन एवं चित्रकला स्पर्धा

सुरसाबांधा। पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर शासकीय पूर्व मा सुरसाबांधा, थाना राजिम में स्कूली बच्चों के लिए विभिन्न विषयों पर निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व से परिचित कराना, उनमें राष्ट्रीय एकता, अखंडता, देशभक्ति

एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना था। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिए। बच्चों के द्वारा सायबर, यातायात पर निबंध लेखन किये वही पानी बचाव व जंगल बचाव पर चित्रकला के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त किये। निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किये। अच्छी प्रदर्षन करने वाले बच्चों को मनोबल बढ़ाने के लिए पुस्कृत किया गया।

परसदाकला स्कूल में बच्चों ने किया न्योता भोज

फिंगेश्वर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परसदाकला में आज कक्षा 6 वीं से 12वीं की समस्त छात्र-छात्राओं को शाला प्रबंधन विकास समिति के सदस्य एवं पूर्व उपसरपंच कुलेश्वर निषाद द्वारा अपनी पुत्री कुमारी सुष्मिता निषाद की जन्म दिवस के अवसर पर शाला के समस्त छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ को खीर, पूरी, भजिया का स्वादिष्ट व्यंजन बनाकर मध्यान्ह भोजन को रुचि कर बनाते हुए न्योता भोज कराया गया। उपरोक्त न्योता भोज में ग्राम के मुखिया सरपंच गणेश राम साहू सदस्य नारद साहू, खुमान सिंह साहू, प्राचार्य नारायण सिंह ठाकुर, व्याख्याता गिरवर यादव एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रह।

प्राचार्य नारायण सिंह ठाकुर द्वारा न्योता भोज देने पर शाला परिवार की ओर से सादर धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आलोक शर्मा एवं शिक्षिका सोनाली सम्मानित

मैनपुर। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं नवाचारी कार्यों के लिए मैनपुर ब्लॉक के शासकीय प्राथमिक शाला गोना के शिक्षक आलोक शर्मा एवं शासकीय प्राथमिक शाला जुगाड़ की शिक्षिका सोनाली मडामे को नवा अंजोर राष्ट्रीय उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत द्वारा 15 जुलाई को रायपुर में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह में प्रदान किया गया इस सम्मान के लिए देशभर से लगभग 700 शिक्षकों ने आवेदन किया था। राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों के उच्चस्तरीय पैनल द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर सभी आवेदनों का मूल्यांकन एवं सत्यापन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान समारोह 15 जुलाई 2026 (बुधवार) सायं 5 बजे विमतारा, मधु पिल्ले चौक, शांति नगर, रायपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. हिमांशु द्विवेदी, प्रधान संपादक, हरिभूमि समूह थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता शिक्षाविद् संजय अग्रवाल, संस्थापक, एन.आर. स्टील, रायगढ़ ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. चितरंजन कर, पूर्व विभागाध्यक्ष (भाषा विज्ञान), पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय एवं राजभाषा हिंदी सलाहकार, रेल मंत्रलय तथा डॉ. पूर्णानंद मिश्रा, राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा अंजोर भारत उपस्थित रहे।

सोनम वांगचुक के समर्थन में युवा हड़ताल पर

मैनपुर। लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद एवं पर्यावरणविद सोनम वांगचुक द्वारा विभिन्न शिक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर दिल्ली के जंतर–मंतर पर किये जा रहे अनशन के समर्थन में अब गरियाबंद जिले के अंतिम छोर स्थित देवभोग विकासखंड से भी आवाज उठी है। सोनम वांगचुक के समर्थन में देवभोग के तीन सामाजिक संगठनों के युवा प्रकोष्ठों के ब्लॉक अध्यक्ष टेकलाल प्रधान, भोले मांझी और हुकमत यादव ने एक दिवसीय सांकेतिक भूख हड़ताल कर अपना समर्थन व्यक्त किया है। युवाओं का कहना है कि नीट पेपर लीक सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं की निष्पक्ष एवं सघन जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिये। उन्होंने महंगी

होती शिक्षा व्यवस्था पर भी चिंता व्यक्त करते हुये आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। अनुसूचित जाति युवा प्रकोष्ठ के देवभोग ब्लॉक अध्यक्ष टेकलाल प्रधान ने कहा कि अब चुप रहना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक देशहित में किये गये अपने कार्यों और उपलब्धियों के लिये जाने जाते हैं। उनका अनशन उन विद्यार्थियों के भविष्य की चिंता को लेकर है, जो वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर संवाद स्थापित करना चाहिये। उन्होंने कहा, "मैं भी देश का युवा हूं और देश के बेहतर भविष्य की कामना करता हूं। इसलिये इस मंच के माध्यम से अपनी बात सार्वजनिक रूप से रख रहा हूं।

आदिवासी समाज युवा प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष भोले मांझी ने कहा कि लोकतंत्र में किसी भी नागरिक की बात सुनने के लिये इतना लंबा इंतजार नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक जैसे व्यक्ति, जिन्होंने देश के लिये उल्लेखनीय योगदान दिया है, उन्हें अपनी बात रखने के लिये अपना स्वास्थ्य और जीवन दांव पर लगाना पड़ रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

खबर संक्षेप

भगवान श्री जगन्नाथ की शोभायात्रा निकली

कोपरा। ग्राम जेंजरा में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ देवशरण कंवर के निवास से विधि-विधान एवं पूजा-अर्चना के साथ हुआ। शोभायात्रा में भगवान जगन्नाथ के जयकारों, भजन-कीर्तन और धार्मिक उल्लास के बीच बड़ी संख्या में ग्रामीणजन शामिल हुए। इस अवसर पर पुजारी भूपेंद्र गोस्वामी, भजन मंडली के चंदू राम वर्मा, गोवर्धन राम साहू सहित मातृशक्ति एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा में सहभागिता निभाई। पूरे गांव का वातावरण भक्तिमय हो गया और श्रद्धालु प्रभु के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना करते रहे। इसी पावन अवसर पर भगवान श्रीराम की पावन कथा श्रीरामचरितमानस (रामायण) पाठ का भी विधिवत शुभारंभ किया गया। ग्रामवासियों ने बताया कि यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा जेंजरा में 100 वर्षों से भी अधिक समय से निरंतर चली आ रही है। यह आयोजन ग्राम की आस्था, सामाजिक एकता और सनातन संस्कृति की समृद्ध विरासत का प्रतीक माना जाता है। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा।

ग्राम जेंजरा में पर्यावरण मित्रों ने किया पौधारोपण

कोपरा। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम जेंजरा के डगनिया तालाब परिसर में पर्यावरण मित्रों द्वारा पौधा रोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उनके संरक्षण और नियमित देखभाल का सामूहिक संकल्प लिया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत जेंजरा के सरपंच बोधन राम यादव सहित गोपाल वर्मा, टिकम साहू, वासुदेव साहू, दुश्यंत विश्वकर्मा, गिताराम वर्मा एवं फगेश्वर साहू उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए प्रत्येक व्यक्ति से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखने की अपील की। सरपंच बोधन यादव ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में वृक्षारोपण ही प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। यदि प्रत्येक नागरिक वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी जिम्मेदारी निभाए, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने यह संकल्प लिया कि वे केवल पौधे लगाएंगे ही नहीं, बल्कि उनकी नियमित देखभाल भी करेंगे ताकि वे बड़े होकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

समस्या : नदी के किनारे तटबंध निर्माण के लिए कई बार हुआ सर्वे लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकला

करोड़ों की कीमती खेती की जमीन को निगल रहा नदी का बाढ़, प्रशासन से गुहार लगाते थके किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के आदिवासी बहुल विकासखंड मैनपुर में हर वर्ष बारिश के दिनों में नदी-नालों में आने वाली बाढ़ किसानों के लिए काल साबित हो रही है। क्षेत्र की नदियां किसानों की अरबों-खरबों रुपये की उपजाऊ और कीमती कृषि भूमि को धीरे-धीरे अपने आगोश में ले रही हैं। ग्रामीण और किसान पिछले कई वर्षों से अपने खेतों को बचाने के लिए नदी किनारे तटबंध (पीचिंग) निर्माण की गुहार लगा रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। हर साल अधिकारी आते हैं, निरीक्षण करते हैं और एस्टीमेट का झुनझुना थमाकर चले जाते हैं, जिसका खामियाजा आज पूरा मैनपुर क्षेत्र भुगत रहा है।

मैनपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाली पैरी नदी, झापन, कुल्हाड़ीघाट, जिड़ार, खजरायन, बाघ, सलफ, उदंती और अमलीपदर नदी के तटीय इलाकों में भू-कटाव लगातार बढ़ता जा रहा है। बाढ़ के पानी के साथ बहकर आने वाली रेत सैकड़ों एकड़ खड़ी फसलों पर पट जा रही है, जिससे फसलें तो बर्बाद हो ही रही हैं, साथ ही उपजाऊ खेत हमेशा के लिए बंजर और नदी के हिस्से में तब्दील होते जा रहे हैं। पीड़ित किसानों ने अपनी इस स्थायी समस्या के समाधान के लिए पूर्व में मुख्यमंत्री, जिला प्रभारी मंत्री, कलेक्टर और एसडीएम को कई बार मांग पत्र सौंपा है। इतना ही नहीं, ग्राम सुराज, लोक सुराज, सुशासन तिहार, जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविरों और यहाँ तक कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर पर भी दर्जनों बार शिकायतें दर्ज कराई गईं। प्रशासन हर बार जल संसाधन या संबंधित विभाग के अधिकारियों को मौके पर भेजता है, जो सिर्फ यह आश्वासन देकर लौट जाते हैं कि /"स्टीमेट बनाकर शासन स्तर पर स्वीकृति के लिए भेजा जा रहा है।/" लेकिन आज तक जमीनी स्तर पर एक इंच भी तटबंध का निर्माण नहीं हो सका।

कटाव से किसान बेहद परेशान- पंकज मांझी युवा नेता, अमलीपदर ने कहा की अमलीपदर एवं उदंती नदी किनारे खेती करने वाले किसान इस कटाव से बेहद परेशान हैं। पहले जल जीवन मिशन (या अन्य जल ग्रहण योजनाओं) के तहत नदी किनारे कटाव रोकने की योजनाएं बनाई गई थीं, जो अब बंद हो चुकी हैं। इसका सीधा खामियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। सरकार तुरंत नई योजना बनाए।

खेती की जमीन नदी में समा चुकी- गेंदु यादव ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री ने कहा की हर वर्ष मैनपुर, जाड़ापदर, नाउमुड़ा, अड़गड़ी नदी, बाघ नदी और शोभा गोना गौरगांव क्षेत्र में 100 एकड़ से अधिक की खेती की जमीन नदी में समा चुकी है। बड़े-बड़े खेतों की मेड़ें टूट गई हैं और फसलों के ऊपर रेत की मोटी परत जमने से किसानों को भारी आर्थिक क्षति हुई है।

पुराने स्टाप डैमों की मरम्मत तक नहीं- सुखचंद्र ध्रुव जनपद सदस्य एवं नेयाल नेताम युवा किसान व आदिवासी नेता ने कहा की पैरी, जाड़ापदर, तुहामेटा और मैनपुरकला नदी में हर साल बाढ़ आने से करोड़ों-अरबों की उपजाऊ जमीन बह रही है। दुख की बात यह है कि क्षेत्र में बने पुराने स्टाप डैमों की मरम्मत तक नहीं की जा रही है, जिससे पानी का बहाव सीधे खेतों की तरफ मुड़ रहा है और यह परेशानी और विकराल हो गई है।

प्रभावित क्षेत्रों में पसरा सन्नाटा- वर्तमान में तटबंध निर्माण न होने के कारण मैनपुर, तुहामेटा, जिड़ार, धवलपुर, दबनई, देहारगुड़ा, कुल्हाड़ीघाट, तौरेंगा, शोभा, गौरगांव, हरदीभाठा, अमलीपदर सहित पूरे विकासखंड क्षेत्र के ग्रामीण डरे हुए हैं। यदि प्रशासन ने इस बार भी केवल कागजी एस्टीमेट बनाकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया, तो आने वाले समय में क्षेत्र के कई गांवों का भूगोल बदल जाएगा और सैकड़ों किसान भूमिहीन हो जाएंगे।

समस्या की गंभीरता पर क्या कहते हैं क्षेत्र के जन-प्रतिनिधि और नेता?

महेन्द्र नेताम आदिवासी नेता व किसान, जिड़ार चलकीपारा ने कहा की हर वर्ष पैरी सहित अन्य नदी-नालों के किनारे बाढ़ के पानी से किसानों की जमीन नदी में तब्दील होती जा रही है। इसके स्थायी समाधान के लिए हमने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को मांग पत्र सौंपा है। मांग के बाद विभागीय टीम ने निरीक्षण कर स्टीमेट तो भेजा है, लेकिन नतीजा अब तक शून्य है।

सैकड़ों एकड़ खेत नदी में विलीन

रामकृष्ण ध्रुव ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा की मैनपुर क्षेत्र के जिड़ार, जाड़ापदर और पैरी नदी के किनारे अब तक सैकड़ों एकड़ खेत नदी में विलीन हो चुके हैं। इसके विरोध में हमने पहले धरना-प्रदर्शन और आंदोलन भी किया है। सरकार को किसानों की इस कीमती जमीन की सुरक्षा के लिए ठोस कार्ययोजना बनानी चाहिए, क्योंकि जमीन है तो ही किसान है।

खेतों में हर वर्ष भर जाती है रेत

पिलेश्वर सोरी कमार समाज नेता ने कहा की खजरायन नदी में बाढ़ के कारण तुहामेटा, कोनारी, भालूकोना, जाड़ापदर, चलकीपारा, खामभाठा और देहारगुड़ा क्षेत्र के खेतों में हर वर्ष रेत भर जाती है। इससे फसल तो खराब होती ही है, साथ ही गरीब किसानों को खेत से रेत हटाने में हजारों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। नदी और खेत दोनों सुरक्षित रहें, ऐसा उपाय तुरंत होना चाहिए।

नदी में कटाव इस क्षेत्र की सबसे बड़ी त्रासदी

डिगेश्वरी सांडे पूर्व सरपंच ने कहा की नदी में कटाव इस क्षेत्र की सबसे बड़ी त्रासदी है। मेरी स्वयं की चार एकड़ उपजाऊ जमीन सलफ नाले की बाढ़ में समा गई है। मैं गरियाबंद जिला कलेक्टर भगवान सिंह उईके से मांग करती हूँ कि इन संवेदनशील स्थानों का सिंचाई एवं जल ग्रहण मिशन के माध्यम से दोबारा भौतिक सत्यापन कराकर खेतों को बचाने के लिए ठोस योजना स्वीकृत की जाए।

मृत-पिता के वन अधिकार पट्टे के नामांतरण के लिए 2 साल से भटक रहा पीड़ित परिवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

छत्तीसगढ़ सरकार एक तरफ जहाँ आदिवासियों और वनवासियों को जल, जंगल और जमीन का हक देने के लिए वन अधिकार पट्टा वितरण और उनके सरलीकरण का दावा करती है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी स्तर पर बैठे कुछ जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी सरकार की इन योजनाओं को पलीता लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। ग्राम मोंगरा से सामने आया है, जहाँ एक पीड़ित ग्रामीण पिछले दो सालों से अपने दिवंगत पिता के वन अधिकार पट्टे का नामांतरण कराने के लिए वन विभाग के दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मोंगरा (तहसील छुरा) निवासी भागीरथी नायक के पिता स्व.

खोलबाहरा नायक को वर्ष 2008 में शासन द्वारा वन अधिकार पट्टा प्रदान किया गया था। पिता के स्वर्गवास हो जाने के बाद, नियमानुसार पट्टे को अपने नाम पर नामांतरण (नाम परिवर्तन) करवाने के लिए भागीरथी नायक ने वन विभाग से संपर्क किया।

पीड़ित का आरोप है कि इस दौरान ड्यूटी पर तैनात डिप्टी रेंजर सतीश सिन्हा ने पट्टा नामांतरण कराने के एवज में 5000 की रिश्वत की मांग की। पीड़ित भागीरथी ने किसी तरह व्यवस्था कर डिप्टी रेंजर सतीश सिन्हा को 5000 नगद दिए और साथ ही पट्टे से संबंधित मूल दस्तावेज, ऋण पुस्तिका (भाग 1 और भाग 2) भी उन्हें सौंप दिए।

पीड़ित भागीरथी नायक ने रुआंसे गले से बताया कि इस बात को आज पूरे दो साल बीत चुके हैं, लेकिन न तो उनका नामांतरण हुआ और न ही उनके मूल दस्तावेज वापस किए गए। जब भी वे डिप्टी रेंजर सतीश सिन्हा से अपना पट्टा वापस मांगते हैं, तो उन्हें गरियाबंद स्थित डिवीजन ऑफिस (मंडल कार्यालय) जाने की बात कहकर टाल दिया जाता है। इस मामले में जब तक उच्चाधिकारी संज्ञान लेकर जांच नहीं करते, तब तक वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठते रहेंगे।

चंदे के बाद अब चढ़ावे में भी हेराफेरी : स्मृति

हरिभूमि न्यूज ⏭ गरियाबंद

राम मंदिर निर्माण के लिए जुटाए गए चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने भाजपा और आरएसएस पर तीखा हमला बोला। शुक्रवार को गरियाबंद में आयोजित प्रेस वार्ता में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री स्मृति ठाकुर ने कहा कि भगवान राम करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक हैं, लेकिन उनके नाम पर जुटाया गया चंदा कथित रूप से घोटालों की भेंट चढ़ गया। यह आरोप कांग्रेस की प्रेस वार्ता में जारी दस्तावेज में लगाए गए। स्मृति ठाकुर ने कहा कि देशभर के गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और आम लोगों ने अपनी श्रद्धा से राम मंदिर निर्माण के लिए योगदान दिया था। ऐसे में चंदे के उपयोग को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब जनता को मिलना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर निर्माण से जुड़े ट्रस्ट और चंदे की व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। स्मृति ठाकुर ने कहा भाजपा राम द्रोही है, उसने पहले चंदा में हेराफेरी करवाया अब चढावा में चोरी। भाजपा ने राम मंदिर के निर्माण के समय रामशिला पूजन के नाम से जो 14000 करोड रू. से अधिक राशि एकत्रित हुआ था। उसका जवाब आरएसएस एवं भाजपा के लोग नहीं दे पाये। उनके ही सहयोगी नताओं ने ही राम मंदिर निर्माण के समय एकत्रित किये चंदे का आरोप लगाया था। जिन लोगों ने मंदिर बनाने के नाम पर चंदा में हेराफेरी किया था वही लोग मंदिर बनने के बाद चढावे में हेराफेरी करने लगे, इन सबकी पृष्ठ भूमि आरएसएस और भाजपा की रही है। कहा जा सकता है इन पाटाला को आरएसएस भाजपा का संरक्षण रहा है। भाजपा ने देवद्रव्य चोरी करने के महापाप का संरक्षण किया है। राम मंदिर न्यास ट्रस्ट का गठन गृहमंत्री अमित शाह ने किया था इसलिए वहां पर घोटाले की नैतिक जिम्मेदारी नांदी और शाह की बनती है। प्रेस वार्ता में कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और संबंधित जिम्मेदार लोगों से जवाबदेही तय करने, पूरे मामले की स्वतंत्र जांच कराने तथा चंदे के उपयोग का सार्वजनिक लेखा-जोखा प्रस्तुत करने की मांग की। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी गरियाबंद के अध्यक्ष सुखचंद बेसरा, अमित मिरी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी गरियाबंद, महिला कांग्रेस अध्यक्ष मंजू ध्रुव, श्रद्धा ठाकुर तथा पार्षद संदीप सरकार भी उपस्थित रहे।

सिर्रीखुर्द स्कूल में बच्चों को बंटा निशुल्क गणवेश

छुईहा बेलर। शासन की महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत प्राथमिक शाला सिर्रीखुर्द में विद्यार्थियों को निःशुल्क गणवेश का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रत्येक छात्र-छात्रा को एक-एक सेट गणवेश प्रदान किया गया। गणवेश मिलने पर विद्यार्थियों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। यह पहल बच्चों में शिक्षा के प्रति आत्मविश्वास, समानता और विद्यालय के प्रति लगाव को बढ़ावा देने वाली है।

इस अवसर पर ग्राम के गणमान्य नागरिक, पालकगण, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा गणवेश का सम्मानपूर्वक उपयोग करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय परिवार ने शासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निःशुल्क गणवेश योजना विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

देवरी स्कूल में बाल संसद और इको क्लब का गठन

छुरा। शासकीय माध्यमिक विद्यालय देवरी में शाला के सुव्यवस्थित संचालन विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से बाल संसद एवं ईको क्लब का गठन किया गया। बाल संसद में प्रधान मंत्री हेमंत कुमार को वित मंत्री कुमारी श्वेता को शिक्षा मंत्री कु. मानसी खेल मंत्री ओमप्रकाश कानून रक्षा मंत्री कु. आराधना, स्वास्थ्य मंत्री कुमारी संजिवनी, कृषि उद्योग मंत्री कुमारी ममता कु, अश्वनी ने गोपनियाता की शपथ ली।

सीमित संसाधनों के बावजूद वनांचल के बच्चों ने लहराया सफलता का परचम

एकलव्य विद्यालय के 15 छात्रों ने नीट किया क्वालीफाई, ललिता टॉपर

हरिभूमि न्यूज ⏭ छुरा

छत्तीसगढ़ के आदिवासी अंचल गरियाबंद जिले में स्थित एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय कोसमबुड़ा, छुरा ने नीट के परिणामों में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय के 23 विद्यार्थियों के बैच में से 15 होनहार बच्चों ने परीक्षा सफलतापूर्वक क्वालिफाई कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। ग्रामीण और आदिवासी पृष्ठभूमि से आने वाले इन बच्चों की इस उल्लेखनीय सफलता से पूरे गरियाबंद जिले में हर्ष का माहौल है। विद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और संस्था के अनुशासित वातावरण का सम्मिलित परिणाम है। शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यालय के छात्र-छात्राएं

शिक्षकों के हौसले ने दिलाया यह मुकाम

विद्यालय की होनहार छात्रा ललिता ने 305 अंक (एसटी कैटेगरी रैंक- 25565) प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। शीर्ष 5 प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राएं इस प्रकार हैं। ललिता 305 अंक, नम्रता 289 अंक,नेहा 278 अंक, भेष 277 अंक, नोकेश्वर 262 अंक इनके अतिरिक्त विद्यालय के अन्य प्रतिभावान छात्रों रोशनी, तनिषा, अमिषा, डिम्पल, रेणुका, देवराज, अनुसुइया, मुकुल, गीतांजलि और खुशी ने भी NEET 2026 परीक्षा सफलतापूर्वक क्वालिफाई की है।

अपनी सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए स्कूल की टॉपर ललिता ने कहा की यह हमारे लिए एक सपने के सच होने जैसा है।

ग्रामीण क्षेत्र से होने के कारण हमारे पास बड़े कोचिंग संस्थानों जैसी सुविधाएं नहीं थीं, लेकिन हमारे स्कूल के शिक्षकों ने हमें कभी किसी चीज़ की कमी महसूस नहीं होने दी। उनके मार्गदर्शन और निरंतर मेहनत की वजह से ही आज हम इस मुकाम पर पहुंचे हैं। दूसरी टॉपर नम्रता ने अपनी सफलता का श्रेय स्कूल के माहौल को देते हुए कहा की एकलव्य विद्यालय में हमें पढ़ाई का जो अनुशासित माहौल मिला, उसने हमारी तैयारी को आसान बना दिया। जब भी हम निराश होते थे, हमारे शिक्षक और विद्यालय प्रशासन हमारा हौसला बढ़ाते थे। यह सफलता सिर्फ हमारी नहीं, बल्कि हमारे पूरे विद्यालय परिवार की है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. कमलाकांत यादव और समस्त स्टाफ ने सभी सफल विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. यादव ने कहा की यह परिणाम हमारे विद्यार्थियों की लगन, अभिभावकों के सहयोग और शिक्षकों के समर्पित प्रयासों का सम्मिलित परिणाम है। हमारा प्रयास रहेगा कि विद्यालय में यह गुणवत्तापूर्ण शिक्षण-वातावरण निरंतर बना रहे, ताकि आने वाले वर्षों में भी हमारे वनांचल के अधिक से अधिक विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में अपनी योग्यता सिद्ध कर सकें। यह उपलब्धि एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, छुरा के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और आने वाले समय में अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।